सांध्य दैनिक
4PM

नारी को गठरी के समान नहीं बल्कि इतनी शक्तिशाली होनी चाहिए कि वक्त पर पुरुष को गठरी बना अपने साथ ले चले।
-डा. राम मनोहर लोहिया

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 25 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 25 फरवरी, 2025

चैम्पियन ट्रॉफी : न्यूजीलैंड-भारत... 7 | सुनामी से ज्यादा तेज गति से... 3 | कुछ लोगों ने महाकुंभ में... 2

लालू यादव को लगा बड़ा झटका, सियासी हंगामा, राजद ने एनडीए पर साधा निशाना

» लालू की बेटी और तेज प्रताप को भी कोर्ट ने किया तलब

» दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने जारी किया समन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री लालू प्रसाद को जमीन के बदले नौकरी घोटाले मामले में तलब किया है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने लालू प्रसाद के बेटे और बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव और बेटी हेमा यादव को भी तलब किया है। इसके बाद से सियासत भी गरमा गई है। विपक्ष का दावा है कि लालू प्रसाद के एनडीए पर मुखर होने की वजह से भाजपा लालू परिवार पर दबाव बनवा रही है। इन सबके बीच राजद ने कहा है आने वाले चुनाव में जनता राजद को सपोर्ट करेगी और उसकी सरकार बनेगी। उधर भाजपा ने सारी बातों को बकवास बताया है।

बता दें लालू प्रसाद ने रविवार को विवादित बयान देते हुए महाकुंभ को 'अर्थहीन' करार दिया और नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ से हुई लोगों की मौत के लिए रेलवे को जिम्मेदार ठहराया। लालू ने कहा, ''बहुत दुखद घटना घटी है, हम सब लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। यह रेलवे की गलती है। रेलवे के कुप्रबंधन और लापरवाही की वजह से इतने लोगों की मौत हुई है। इस घटना के बाद केंद्रीय रेल मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। महाकुंभ को लेकर बढ़ती भीड़ के बारे में पूछे जाने पर राजद प्रमुख ने कहा कि 'अरे ये सब कुंभ का क्या कोई मतलब है, फालतू है कुंभ।

11 मार्च को अदालत में पेश होने का निर्देश

न्यायाधीश ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो के छोटे बेटे और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को भी नए समन जारी किए हैं। आरोपियों को 11 मार्च को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया है। भ्रष्टाचार के इस मामले में सीबीआई ने 78 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। कोर्ट ने चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए सभी आरोपियों को समन जारी किया है।

आरजेडी नेता सुनील सिंह की सदस्यता होगी बहाल

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में अपनी विधान पार्षद की सदस्यता गंवा चुके राजद नेता सुनील सिंह को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को सुनील सिंह की सदस्यता को बहाल करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने धारा 142 का इस्तेमाल करते हुए यह आदेश जारी किया। इसके साथ ही कोर्ट ने आचार समिति की जारी अधिसूचना भी रद कर दी है। सुनील सिंह पर विधानमंडल के सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर वाद-विवाद के समय नीतीश कुमार की मिमिक्री करने के आरोप लगे थे। आरोप के बाद जदयू एमएलसी की शिकायत पर मामले की जांच के लिए समिति बनाई गई थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट में सुनील सिंह को नीतीश कुमार का मिमक्री करने की बात की और इसे अनुशासनहीनता माना।

जमीन के बदले नौकरी के मामले में चल रही सुनवाई

यह मामला मध्य प्रदेश के जबलपुर में स्थित भारतीय रेलवे के पश्चिम मध्य मंडल में की गई समूह 'डी' नियुक्तियों से संबंधित है। अधिकारियों के अनुसार, केंद्रीय रेल मंत्री के रूप में प्रसाद के कार्यकाल के दौरान 2004 और 2009 के बीच राजद सुप्रीमो के परिवार या सहयोगियों को उपहार के रूप में या उनके नाम पर भूखंड हस्तांतरित करने के बदले ये नियुक्तियां की गईं। लालू प्रसाद, उनकी पत्नी, दो बेटियों, अज्ञात सरकारी अधिकारियों और निजी व्यक्तियों सहित अन्य के खिलाफ 18 मई, 2022 को एक मामला दर्ज किया गया था।

बजट सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष में संग्राम

सदन में गिद्ध और सुअर तक पहुंची बात, माता प्रसाद पाण्डेय ने कंस से कर दी तुलना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की राजनीतिक लड़ाई अब शब्दावली को लेकर चरम पर है। नेता सदन और सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष द्वारा कुंभ के मिसमैनेजमेंट पर लगातार उठाये जा रहे सवालों का जवाब गिद्ध और सुअर वाली कहावत के साथ दिया तो सपा ने भी जस को तस की तरह उसमें एक और नगीना जड़ दिया।

नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने बातों ही बातों में कंस और कृष्ण की कहानी सुना कर सूबे राजनीतक महौल को सांतवे आसमान पर पहुंच दिया है। हालांकि अभी बजट सत्र के कई दिन बाकी है और यह लड़ाई कहा रूकेंगी किसी को पता नहीं।

यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने सीएम योगी के गिद्धों को लाश, सूअरों को गंदगी मिली' वाले बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, बाबा एक मुख्यमंत्री हैं और वह क्या बोलते हैं, इस पर

मैं क्या ही टिप्पणी करूं।

उन्होंने जो उदाहरण दिया है, वह संसदीय परंपरा के विपरीत है। अगर मैं भी उदाहरण दे दूं कि कंस को भय था कि भगवान कृष्ण पैदा हो जाएंगे तो वह खत्म हो जाएंगे। ऐसी ही कुछ स्थिति यहां भी है। उन्होंने अखिलेश यादव को कृष्ण के तौर पर इंगित करते हुए जो कहानी सुनाई है उसमें कंस कौन है इस ओर भी इशारा किया है। उन्होंने जो बयान दिया वह इस प्रकार है एक राजा था जिसका नाम कंस था उसको भय था कि कृष्ण पैदा हो जाएंगे तो मैं खत्म हो जाउंगा। कंस को 24 घंटे संशय रहता था और हमेशा प्रयास रहता था कि कृष्ण पैदा न हो वैसी ही स्थति यहां की भी है।

सीएम को सिर्फ गिद्ध दिखायी देते हैं : शिवपाल

सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने सीएम योगी के बयान पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शब्दों का चयन सही नहीं है, वो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं और विपक्ष का दायित्व है कि अगर यूपी की व्यवस्था में कोई खामियां दिखती हैं तो सरकार का उस पर ध्यान दिलाए। महाकुंभ के दौरान हुई भगदड़ में कई लोगों की जान गई और यही बात उन्हें याद दिलाई जा रही है। मगर मुख्यमंत्री को तो सिर्फ गिद्ध ही दिखाई देते हैं।

17 महीने बाद सलाखों से बाहर आये अब्दुल्ला आजम

» जेल के बाहर समर्थकों ने बांटी मिठाई, आजम खान के परिवार में जश्न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जेल में बंद सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम खां मंगलवार को जेल की सलाखों से बाहर आ गए। एमपी-एमएलए कोर्ट से उनकी जमानत मंजूर होने के बाद सोमवार को रिहाई का आदेश जेल प्रशासन के लिए भेज दिया गया था। जेल का बाहर निकलते ही उनके समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

बता दें कि दो जन्म प्रमाण पत्र के मामले में कोर्ट द्वारा अक्तूबर 2023 में सात साल की सजा सुनाए जाने के बाद से सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम को रामपुर जेल और वहां से हरदोई जेल शिफ्ट किया गया था।अब्दुल्ला आजम हरदोई जिला जेल में 16 महीने 3 दिन रहे, इस दौरान पेशियों में वे कड़ी सुरक्षा में रामपुर भेजे जाते रहे।

बगैर एक शब्द बोले कार में बैठकर निकल गए अब्दुल्ला

अब्दुल्ला आजम की रिहाई की प्रक्रिया पूरी करने के बाद जैसे ही उनका नंबर आया जेल गेट से उनको बाहर निकाला गया। उस समय वे सफेद कुर्ता पैजामा और काली सदरी पहने हुए थे और काफी शांत नजर आ रहे थे, उनके बाल बड़े थे और वे उसकी चोटी बांधे हुए थे।

कुछ लोगों ने महाकुंभ में राजनीतिक अवसरवाद को तलाशा : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख ने सीएम योगी पर किया प्रहार, कहा- नकारात्मकता चरम पर हो तो शब्दों में प्रकट होती है व्यक्ति की मानसिकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम लिए बिना उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अशोभनीय कथन बताते हैं कि नकारात्मकता चरम पर हो तो देश, काल, स्थान की गरिमा का ख्याल न करते हुए मानसिकता शब्दों के रूप में प्रकट होती है।

सपा प्रमुख यादव ने अपने आधिकारिक एक्स खाते पर एक पोस्ट में कहा लेकिन महाकुंभ में जिन्होंने अपनों को तलाशा, उन्हें हमेशा के लिए खो गए अपने परिजन का नाम न तो मृतकों की सूची में मिला और न ही खोया–पाया के रजिस्टर में। इसी पोस्ट में उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने महाकुंभ में राजनीतिक अवसरवाद को तलाशा और उनको आत्म प्रचार का माध्यम मिला, लेकिन उन्होंने अपनी नैतिकता, सत्यनिष्ठा और मानवीय संवेदनाओं को खो दिया और वाणी पर संतुलन को भी। यादव ने आगे कहा अशोभनीय कथन बताते हैं कि नकारात्मकता चरम पर हो तो देश, काल, स्थान की गरिमा का ख़्याल न करते हुए मानसिकता शब्दों के रूप में प्रकट होती है। सपा प्रमुख ने कहा कि 'महाकुंभ' जैसे पावन पर्व के संबंध में बोलते समय शब्दों का चयन, इस अवसर के मान और प्रतिष्ठा के अनुकूल होना चाहिए।

सपा योगी सरकार को सलाह देने को तैयार

सपा अध्यक्ष ने कहा कि कुंभ आयोजन के लिए स्थायी और बुनियादी ढांचा विकसित करने की जरूरत है। इसके लिए सलाह की दरकार हो तो समाजवादी पार्टी देने को तैयार है। कुंभ आयोजन के लिए केंद्र और यूपी सरकार को मिलकर दो लाख करोड़ रुपये का कार्पस फंड बनाना चाहिए।

संगम के जल पर टकरा रहीं केंद्र व प्रदेश सरकार

अखिलेश ने कहा कि अब संगम के जल पर केंद्र व प्रदेश की सरकारें टकरा रही हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अपनी-अपनी रिपोर्ट को लेकर लड़ रहे हैं। इसे देखकर आम जनता ठगा महसूस कर रही है। वहीं, सरकार ने महाकुंभ में हुए हादसे में मृतकों और घायलों की सही जानकारी नहीं दी।

इस बार कुंभ में श्रद्धालुओं की जैसी दुर्दशा हुई है, वैसी कभी नहीं हुई

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि इस बार कुंभ में श्रद्धालुओं की जैसी दुर्दशा हुई है, वैसी कभी नहीं हुई थी। कुंभ में हुए हादसों और अव्यवस्थाओं ने भाजपा सरकार की पोल खोल दी है। सरकार की नाकामी से पूरी दुनिया में प्रदेश की बदनामी हुई है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रदेश पार्टी मुख्यालय पर विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि महाकुंभ में अभी भी करोड़ों लोग स्नान नहीं कर पाए हैं। लिहाजा, कुंभ की अवधि बढ़ाई जानी चाहिए। कुंभ का ऐतिहासिक और पौराणिक आयोजन सदियों से हो रहा है। अखिलेश ने कहा कि कप? पहनने से कोई योगी नहीं हो जाता है।

इतनी बार प्रयागराज जाने के बाद भी वैचारिक उद्धार नहीं हुआ

उन्होंने तंज कसते हुए कहा महाकुंभ में कई बार जाकर भी जिनका वैचारिक उद्धार नहीं हुआ, उनके पाप और पतन की सीमा भला कौन नाप सकता है। ऐसे कथनों से जिन सुधीजनों को ठेस पहुँची है, उनसे निवेदन है कि ऐसे लोगों के प्रति सहानुभूति की भावना रखें न कि आक्रोश की। सन्मति दे भगवान! सोमवार को उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि कुंभ में जिसने जो तलाशा, उसे वही मिला। गिद्धों को केवल लाश मिली, सुअरों को गंदगी मिली, संवेदनशील लोगों को रिश्तों की खूबसूरत तस्वीर मिली, आस्था वालों को पुण्य मिला, सज्जनों को सज्जनता मिली, गरीबों को रोजगार मिला, अमीरों को धंधा मिला, श्रद्धालुओं को साफ-सुथरी व्यवस्था मिली, सद्भावना वाले लोगों को जाति रहित व्यवस्था मिली, भक्तों को भगवान मिले। मतलब सबने अपने-अपने स्वभाव और चरित्र के अनुसार चीजों को देखा है।

गिर रहा है शिक्षा का स्तर : श्यामलाल

सपा नेता पूजा शुक्ला की ओर से सोमवार को उत्तर विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल रहे। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार में पी?ित और वंचित समाज उपेक्षा का शिकार है। किसान, नौजवान परेशान है। शिक्षा का स्तर गिरता जा रहा है। मरीजों को इलाज नहीं मिल रहा है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। परेशान जनता 2027 में अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा सरकार बनाएगी। इस मौके पर अल्पसंख्यक सभा के अध्यक्ष शकील नदवी, जिलाध्यक्ष जयसिंह जयंत, महानगर अध्यक्ष फाकिर सिद्दीकी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपा को भारत की जीत और कोहली के शतक से भी तकलीफ : केशव

यूपी विधान परिषद में नेता सदन व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा पर तंज कसते हुए कहा कि भारत-पाक मैच में भारत जीत जाए और विराट कोहली का शतक बन जाए तो भी इनको तकलीफ होती है। सपा पर महाकुंभ का दुष्प्रचार करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि उनका काम दूध में नींबू डालने का है और हम दूध में चीनी डालने का काम करते हैं। राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान हंगामा करने को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए केशव ने कहा कि सपा को इसके लिए खेद जताना चाहिए। केशव ने कहा कि विपक्ष के हंगामे से राज्यपाल को अधूरा भाषण छोड़कर जाना पड़ा, वो भी तब, जब विपक्ष को अपनी बात कहने का पूरा मौका दिया जा रहा है। ये घोर निंदनीय है। प्रयागराज महाकुंभ में हुई भगदड़ पर राज्यपाल ने संवेदना जताई, लेकिन सपा को दृष्टिदोष हो गया है इसीलिए महाकुंभ को भाजपा का बता दिया। ममता बनर्जी के मृत्युकुंभ कहने पर अखिलेश यादव के समर्थन करने पर केशव ने हैरानी जताते हुए कहा कि तमाम दुष्प्रचार के बावजूद श्रद्धालुओं को आने से नहीं रोक सके। यही आचरण रहा तो समाजवादी पार्टी जल्द ही समाप्तवादी पार्टी बन जाएगी।

सुरंग में फंसे श्रमिकों को बचाने की पूरी कोशिश हो : हेमंत सोरेन

» **झारखंड के सीएम ने तेलंगाना के सीएम रेड्डी को की मदद की पेशकश**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से श्रीशैलम सुरंग नहर परियोजना के निर्माणाधीन खंड की छत का एक हिस्सा ढह जाने के कारण उसमें फंसे श्रमिकों को बचाने के लिए हरसंभव सहायता सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में श्रीशैलम सुरंग नहर परियोजना के निर्माणाधीन खंड की छत का एक हिस्सा ढह जाने से आठ लोग अंदर फंस गए हैं जिनमें से चार झारखंड के निवासी हैं। सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर शनिवार रात लिखा, ''तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में 'श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल टनल' हादसे में झारखंड समेत अन्य राज्यों के कुछ श्रमिकों के फंसे होने की खबर मिली है। तेलंगाना के माननीय मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से आग्रह है कि सुरंग में फंसे लोगों को निकालने के लिए हरसंभव मदद पहुंचाने की कृपा करें। मैं मरांग बुरु से हादसे में फंसे सभी श्रमिकों के सुरक्षित होने की कामना करता हूं।

उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार, तेलंगाना सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर हर पल की जानकारी ले रही है तथा हर जरूरी मदद पहुंचाने के लिए तैयार है। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सुरंग में फंसे झारखंड के चार मजदूर गुमला जिले के हैं।

केंद्र की गणेश परिक्रमा बंद करें जयराम : विक्रमादित्य

» **बोले- प्रदेश हित में आवाज उठाएं नेता प्रतिपक्ष**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। केंद्र की गणेश परिक्रमा की बजाय नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर को प्रदेश की आवाज को उठाना चाहिए। जहां अच्छा कार्य किया जा रहा है, वहां पर समर्थन किया जाना चाहिए। जहां कमियां लगती हैं, वहां पर पीएम मोदी के समक्ष प्रदेश के हितों को रखना चाहिए।हमीरपुर में लोक निर्माण विभाग मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने विभिन्न प्रोजेक्ट के निरीक्षण के बाद पत्रकारों के सवालों पर ये बातें कहीं।

उन्होंने चंबा में काले झंडे दिखाए जाने के प्रयास के सवाल पर कहा कि इसकी जानकारी नहीं है। ऐसा करने वाले शायद राजनीतिक रोटियां सेंकने का प्रयास कर रहे होंगे। बाद में मीडिया के जरिये उन्हें इस बारे में जानकारी मिली। लोकतंत्र में सभी को बात रखने का अधिकार है लेकिन यह

संयमित तरीके से रखी जानी चाहिए। चंबा में सभी कार्यक्रम अच्छे रहे हैं। लोक निर्माण विभाग के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने हमीरपुर में निर्माणाधीन बस अड्डे का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों वे बस अड्डे की प्रगति रिपोर्ट भी मांगी। जिस नक्शे पर अड्डा बनाया जा रहा है उसको भी मंत्री ने देखा तथा कार्य पर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि इस बस अड्डा के लिए अभी तक 60 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है। हालांकि, बाद में जरूरत मुताबिक इसके बजट में वृद्धि संभव है। उन्होंने कहा कि ज्वालाजी में बन रहे सुख आश्रय प्रोजेक्ट का भी उन्होंने निरीक्षण किया है। वहां पर बेहतर ढंग से कार्य चल रहा है तथा लगभग एक साल में कार्य पूरा होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि सुख आश्रय प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट है तथा कार्य तेज गति से चल रहा है। उन्होंने कहा कि नादौन में बन रहा इंडोर खेल स्टेडियम का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसका भी निरीक्षण किया गया तथा पाया गया कि यहा बेहतर क्वालिटी का काम चल रहा है। बहुत जल्द यह भी बनकर तैयार हो जाएगा। यहां पर कबड्डी, वॉलीबॉल, स्वीमिंग पुल सहित अन्य खेल गतिविधियों के आयोजन का प्रावधान रहेगा। प्रदेश में सड़कों की खस्ता हालत पर विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि कई सड़कों का मेंटेनेस का कार्य चल रहा है। प्रदेश सरकार सड़कों की स्थिति को बेहतर बनाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जल्द प्रदेश सरकार का नया बजट पेश होगा।

राहुल गांधी के खिलाफ सुनवाई टली, छह मार्च को अगली तारीख

» **अगली सुनवाई के लिए छह मार्च की तय की गई है तारीख**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में दायर मानहानि के मामले में सोमवार को सुनवाई टल गई है। मामले में परिवादी में जिरह के लिए और समय देने की मांग की थी। अगली सुनवाई के लिए छह मार्च की तारीख तय की गई है।

गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन व भाजपा नेता नेता विजय मिश्रा ने

चार अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का परिवाद दायर किया था। इसी मामले में सुल्तानपुर के एमपीएमएलए कोर्ट में सुनवाई हो रही है। अगली सुनवाई के लिए छह मार्च की तारीख दी गई है।

सुनामी से ज्यादा तेज गति से आ रही है मंदी!

देश की टॉप 10 कंपनियों में आठ कंपनियों का बुरा हाल, 1.65 लाख करोड़ रूपये घट गया मार्केट कैप

आज भी बाजार का बुरा हाल, शेयर बाजार में लगातार गिरवाट का दौर जारी ....

पूर्व आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास बनाए गये पीएम मोदी के प्रमुख सचिव नम्बर दो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। न जाने कितनों की शेयर बाजार में लुटिया डूब चुकी है और कितनों की कगार पर पहुंच गयी है। सोचिये जब भारतीय ब्लूचिप कंपनियों में शामिल भारतीय स्टेट बैंक, टीसीएस, इंफोसिस, एयरटेल और आईटीसी जैसी कंपनियों का मार्केट कैप डेढ लाख करोड़ रूपये से ज्यादा घट चुका हो तो फिर आम कंपनियों की बिसात ही क्या? डालर के मुकाबले रूपये में गिरवाट जारी है।

सोना अपने आल टाइम हाइक पर है, क्रूड आयॅल भी सस्ता बिक रहा है? वहीं अमेरिकन टैरिफ का उंट किस करवट बैठेगा यह भी किसी को पता नहीं, ऐसे में बाजार में अनिश्चिता का माहौल बन चुका है, चारो तरफ बिकावली है और हर कोई बाजार से सुरक्षित निकलना चाहता है जिसके कारण बाजार गिर रहा है और लोगों का भरोसा टूट रहा है। सरकार कि निगाहे इस ओर लगी है तभी तो पूर्व आरबीई गवर्नर शक्तिकांत दास को पीएम मोदी का प्रमुख सचिव बनाया गया है और देखना यही होगा कि वह इस मुश्किल दौर से अर्थव्यवस्था को कैसे निकलाते हैं।

टॉप कंपनियों का बुरा हाल : देश की शीर्ष 10 में से 8 कंपनियों को लाखों करोड़ का नुकसान हुआ है। टॉप 10 में से 8 कंपनियों का मार्केट कैप 1,65,784.9 करोड़ रुपये घटा गया है। सबसे ज्यादा नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल के निवेशकों को हुआ है। टीसीएस के बाजार मूल्यांकन में 53,185.89 करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई और इसका वैल्यूएशन कम होकर 13.7 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं भारती एयरटेल में भी भारी गिरावट देखी गई, इसका बाजार पूंजीकरण 44,407.77 करोड़ रुपये घटकर 9.3 लाख करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 18,235.45 करोड़ रुपये घटकर 8.7 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं, हिंदुस्तान यूनिलीवर को 17,962.62 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जिससे उसका बाजार पूंजीकरण 5.2 लाख करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस के मार्केट कैप में भी कमी दर्ज की गई है और इसका बाजार मूल्यांकन 17,086.61 करोड़ रुपये घटकर 7.5 लाख करोड़ रुपये रह गया। आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 11,949.42 करोड़ रुपये घटकर 5 लाख करोड़ रुपये रह गया और एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 2,555.53 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 12.9 लाख करोड़ रुपये हो गया इसके अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मार्केट कैप में 401.61 करोड़ की गिरावट दर्ज की गई है और इसका बाजार मूल्यांकन कम होकर 6.4 लाख करोड़ रुपये रहा गया है।

लगातार जारी है गिरावट

कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच आज भी भारतीय शेयर बाजार लाल निशान पर खुले और बिकावली की धूम रही। शुरुआती कारोबार में आईटी और फाइनेंशियल सर्विस सेक्टर में बिकवाली देखी गई। एक्सपर्ट के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रेड टैरिफ से जुड़ी वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण इस तरह का महौल बना है। एशियाई बाजारों में सियोल, चीन, बैंकॉक, जापान, जकार्ता और हांगकांग सभी बाजार लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। यही नहीं कि टैरिफ की आशंकाओं के बीच सोने और चांदी में भी भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की कीमतों में लगातार आठवें सप्ताह तेजी आई और यह रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार कर रहा है।

लड़ाई विदेशी और घरेलू निवेशकों के बीच

लगातार एक बात कॉमन तौर पर सामने आ रही है कि जितने शेयर विदेशी संस्थागत निवेशक बेचते हैं उतनी ही खरीदारी देसी निवेशक कर लेते हैं। तभी बाजार का संतुलन बना हुआ है। एक और फैक्टर तेजी से उभर रहा है और वह है अमेरिका में बेरोजगारी के दावों में भी उछाल आया और डॉलर इंडेक्स में गिरावट आई।21 फरवरी को लगातार तीसरे सत्र में एफआईआई शुद्ध विक्रेता बने रहे और उन्होंने 3,449.15 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) 13वें दिन शुद्ध खरीदार बने रहे और उन्होंने 2,884.61 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट पर कांग्रेस व भाजपा में रार

यूएसएआईडी फंडिंग को लेकर चल रहे विवाद के बीच कांग्रेस ने दावा किया कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने 2023-24 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट में भाजपा के झूठ को पूरी तरह से उजागर कर दिया है। बता दें कि, वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी एजेंसी वर्तमान में भारत सरकार के सहयोग से सात परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रही है और उनमें से किसी का भी मतदाता मतदान प्रतिशत से कोई लेना-देना नहीं है।भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को भी खारिज किया है और राहुल गांधी के साथ-साथ पार्टी पर भारत को कमजोर करने के लिए विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाया है। वित्त मंत्रालय की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि एजेंसी ने 2023-24 में 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सात परियोजनाओं को वित्त पोषित किया है। वित्त मंत्रालय की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में, भारत सरकार के साथ साझेदारी में यूएसएआईडी की तरफ से कुल 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग) के बजट की सात परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है। इस पर कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा, केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने ही प्रधानमंत्री और उनकी झूठ ब्रिगेड, जिसमें उनके चतुर विदेश मंत्री भी शामिल हैं, के झूठ को पूरी तरह से उजागर किया है। वित्त मंत्रालय की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि यूएसएआईडी वर्तमान में भारत सरकार के सहयोग से लगभग 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर के संयुक्त बजट के साथ सात परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है। जयराम रमेश ने कहा, इनमें से एक भी परियोजना का मतदान प्रतिशत बढ़ाने से कोई लेना-देना नहीं है। ये सभी केंद्र सरकार के साथ और उसके माध्यम से हैं। मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए, सात परियोजनाओं के तहत यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) की तरफ से कुल 97 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 825 करोड़ रुपये) का दायित्व बनाया गया है।

अमेरिका से शुरुआत

ट्रंप प्रशासन ने बीती रात करीब 12 बजे एक मैसेज भेजकर अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी में काम कर रहे 2 हजार कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया। कर्मचारियों को भेजे गए नोटिस में बताया गया है कि कर्मचारियों की संख्या में कटौती शुरू की जा रही है, जिससे अमेरिका में 2,000 नौकरियां खत्म हो जाएंगी। अमेरीकी प्रशासन ने इस संबंध में कोई स्पष्टीकरण जारी नहीं किया। यूएसएड और विदेश मंत्रालय ने भी इस संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया है। यूएसएड के उप प्रशासक पीट मारको ने संकेत दिया है उनकी योजना लगभग 600 कर्मचारियों को नौकरी पर रखने की है, जिनमें से अधिकतर अमेरिका में रहते हैं।

छिड़ा है यूएसऐड फंडिंग का विवाद

इस महीने की शुरुआत में जब एलन मस्क के नेतृत्व वाले डीओजीई (सरकारी दक्षता विभाग) ने दावा किया था कि उसने मतदान प्रतिशत को बढ़ावा देने के लिए भारत को 21 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अनुदान रद्द कर दिया है। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी बार-बार दावा किया कि जो बाइडन के नेतृत्व वाले पिछले प्रशासन के तहत यूएसएआईडी ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भारत को 21 मिलियन अमेरिकी डॉलर का वित्तपोषण किया था। हालांकि इस पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन की तरफ से दी गई जानकारी चिंताजनक है और सरकार इस पर गौर कर रही है।

बिहार में अब तबीयत को लेकर मचा सियासी बवाल

- » नीतीश की बीमारी के बाद लालू पर तंज
- » राजद व जदयू में वार-पलटवार
- » तेजस्वी को निशांत ने दिया करारा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जैसे-जैसे बिहार में चुनाव नजदीक आने की सुगबुगाहट हो रही है वैसे-वैसे वहां सियासी बयान से माहौल बनने लगा है। कभी लालू का यह कहना कि बिहार में उनके रहते बीजेपी सरकार नहीं बना पाएगी सुर्खियों में रहता है तो कभी ये बातें गमरमाती रहती हैं कि नीतीश दिल्ली में भाजपा के शपथ ग्रहण में इसलिए नहीं पहुंचे क्योंकि वह महागठबंधन में जा रहे हैं।

उधर नीतीश के पुत्र, राजद नेता तेजस्वी व उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बोल समय-समय पर राज्य ही नहीं पूरे देश में वायरल होकर सियासी चर्चा का विषय बन जाते हैं। अब बिहार में तबीयत पर सियासी बखेड़ा शुरू हो गया है, यूं कहिए कि सियासी जंग ही छिड़ गई है। एक दिन पहले नीतीश की तबीयत पर बेटे निशांत ने कहा- पिता जी 100 परसेंट ठीक-ठाक। अब जदयू ने राजद के वार पर लालू प्रसाद यादव की तबीयत पर सवाल खड़े किए हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद अध्यक्ष लालू यादव के स्वास्थ्य को लेकर प्रदेश में बयानबाजियों का दौर जारी है। इस बीच, जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने राजद अध्यक्ष लालू यादव के स्वास्थ्य को लेकर कहा कि विधानसभा में विपक्ष के नेता और लालू यादव के पुत्र तेजस्वी यादव को भी अपने पिता के स्वास्थ्य के विषय में बताना चाहिए।

कोर्ट की तरह राजद भी लालू को अयोग्य घोषित करे : नीरज कुमार

जदयू नेता नीरज कुमार ने कहा, अगर लालू यादव स्वस्थ हैं तो वे कार्यकर्ता दर्शन यात्रा में कहीं क्यों नहीं गए? अगर उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष रहने का औचित्य क्या है? दरअसल, वे राजनीतिक रूप से नजरबंद हैं। अदालत ने जिस तरह उन्हें अयोग्य घोषित किया है, उसी तरह राजद भी उन्हें अयोग्य घोषित करे। जिस तरह लालू प्रसाद यादव को कोर्ट ने अयोग्य घोषित किया, उसी तरह से अब राजद भी उन्हें पार्टी में अयोग्य घोषित कर दे। नीरज कुमार यहीं नहीं रुके। उन्होंने आगे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार के शुक्रवार को पिताजी के स्वास्थ्य को लेकर दी गई जानकारी को सामने रख राजद पर हमला बोला। नीरज कुमार ने कहा कि माननीय तेजस्वी यादव जी, राजनीतिक दिमाग का मरम्मत हो गया ना? कल तक जो तथाकथित 8वां-9वां पास व्यक्ति नीतीश कुमार जी के स्वास्थ्य पर अनर्गल राजनीतिक टिप्पणी कर रहे थे, उन्हें मुख्यमंत्री जी के सुपुत्र निशांत कुमार ने करारा जवाब दे दिया।

सम्राट का दावा, रेखा गुप्ता की सरकार में बिहार के लोगों को मिलेगा सम्मान

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि श्रीमती रेखा गुप्ता ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही बिहार-यूपी के लोगों को उत्साहजनक संदेश दिए और सारे वादे पूरे करने की क्षमता का विश्वास दिलाया। राजधानी के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित समारोह के बाद चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री गुप्ता ने शपथ ग्रहण के समय मधुबनी प्रिंट वाली साड़ी पहनी और बक्सर (बिहार) के रहने वाले पंकज सिंह को भी 7 सदस्यीय कैबिनेट में अपना सहयोगी बनाया। उन्होंने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह से ही साफ हो गया कि अब दिल्ली में बिहार के लोगों को सम्मान मिलेगा और यमुना का निर्मलीकरण शीध्र पूरा होगा।

पिताजी की तबीयत ठीक है, वह 100 प्रतिशत स्वस्थ हैं : निशांत

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को दिल्ली में एक शादी समारोह में शामिल होकर पटना लौटे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने तेजस्वी यादव द्वारा नीतीश कुमार की तबीयत पर आ रहे बयानों पर कहा था, पिताजी की तबीयत ठीक है, वह 100 प्रतिशत स्वस्थ हैं। उन्होंने मीडिया के माध्यम से बिहार की जनता से अपील की है कि नीतीश कुमार ने बिहार के लिए बहुत विकास किया है। इसलिए चुनाव में एनडीए के समर्थन में आएं और बिहार में डबल इंजन की सरकार बनाएं। नीतीश कुमार दोबारा सीएम बनेंगे तो बिहार तेजी से विकास के पथ पर बढ़ेगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

ग्लेशियर के पिघलने और टूटने का दुष्प्रभाव घातक

> संयुक्त राष्ट्र का यह प्रस्ताव अपने आप में द्योतक है कि हिमखंड हमारे लिए कितने महत्वपूर्ण हैं और उनका अनावश्यक रूप से पिघलकर टूटना मानव सृष्टि के लिए त्रासदी भी साबित हो सकता है। इनके टूटने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन के लिए तापमान को सीमित करने के लिए साधे गए लक्ष्य और उस बाबत किए जा रहे प्रयास और जटिल हो जाते हैं। हिमखंड तापमान एवं वातावरण में संतुलन कायम करने में महती भूमिका अदा करते हैं।

गर्मी आने वाली है। अब गर्मी से जनित खामियों की खबरे आने लगेंगी। हाल ही पर्यावरण की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण घटना की खबर आई कि विश्व का सबसे बड़ा हिमखंड यानी ग्लेशियर पिघलकर टूटने लगा है और समुद्र में बहने जा रहा है। यह कोई सामान्य घटना नहीं है क्योंकि हिमखंड के पिघलने के साथ जलवायु परिवर्तन के साक्षात लक्षण तो प्रकट होते ही हैं, भविष्य की गंभीर आशंकाएं भी दिखती हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रस्ताव के जरिए वर्ष 2022 में निर्णय लिया गया कि वर्ष 2025 पूरे विश्व में अंतरराष्ट्रीय ग्लेशियर बचाव वर्ष के रूप में साधा जाएगा। संयुक्त राष्ट्र का यह प्रस्ताव अपने आप में द्योतक है कि हिमखंड हमारे लिए कितने महत्वपूर्ण हैं और उनका अनावश्यक रूप से पिघलकर टूटना मानव सृष्टि के लिए त्रासदी भी साबित हो सकता है। इनके टूटने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन के लिए तापमान को सीमित करने के लिए साधे गए लक्ष्य और उस बाबत किए जा रहे प्रयास और जटिल हो जाते हैं। हिमखंड तापमान एवं वातावरण में संतुलन कायम करने में महती भूमिका अदा करते हैं। ऐसे में उनका पिघलना असंतुलन को जन्म देता है। दुनिया के सबसे बड़े हिमखंड 'ए 23 ए' में अब और टूट होने लगी है। हाल ही प्राप्त सैटेलाइट चित्रों में हिमखंड का एक बड़ा हिस्सा लगभग 80 वर्ग किलोमीटर आकार का टूटकर अलग हुआ दिखा है। इससे यह भी आशंका होने लगी है कि कहीं पूरा का पूरा हिमखंड ही टूटकर प्रवाह में नहीं आ जाए। इसके आकार को आसानी से समझने के लिए यह पेरिस के एफिल टॉवर से लगभग सौ लाख गुना भारी है यानी इसका वजन लगभग एक ट्रिलियन टन है। यह हिमखंड दुनिया का सबसे बड़ा हिमखंड माना जाता है और विशेष चिंता यह भी है कि जब यह दक्षिण जॉर्जिया द्वीप के पास पहुंचेगा तो समुद्री प्राणी भी आहत होंगे और आशंकाएं फिर किसी टाइटैनिक जहाज जैसे हादसे की प्रबल हो जाती है। जैविक सृष्टि एवं वातावरण संतुलन की दृष्टि से ग्लेशियर का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान में पृथ्वी के लगभग 10 प्रतिशत भूभाग पर ग्लेशियर विद्यमान हैं। ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप के अतिरिक्त अन्य सभी महाद्वीपों में कम और अधिक ग्लेशियर पाए जाते हैं। पूर्वी काराकोरम श्रृंखला में स्थित सियाचिन भारत का 75 किलोमीटर लंबा सबसे बड़ा ग्लेशियर है, जो तजाकिस्तान के फेडचेंको के बाद विश्व का सबसे विशाल अध्रुवीय ग्लेशियर है। हालांकि ग्लेशियर की व्यापकता के बारे में मात्र अनुमान ही है, लेकिन प्रचलित गति से इनके पिघलने पर यह निश्चित है कि समुद्री जलस्तर लगभग 70 मीटर तक बढ़ जाएगा और परिणामस्वरूप तबाही का मंजर बन जाएगा। ग्लेशियर पर स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के साथ तापमान को नियंत्रित तथा अनेकानेक जैविक विविधताओं को विद्यमान रखने का दायित्व भी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सीएम के रूप में रेखा गुप्ता की चुनौतियां!

ललित गर्ग

भाजपा ने फिर एक बार दिल्ली मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता के नाम को लेकर न केवल चौंकाया बल्कि एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक साथ कई समीकरणों को साधने का प्रयास किया है। इस चौंकाने वाले फैसले के पीछे भाजपा की कई रणनीतियां हैं, एक तरफ जहां जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश है वहीं दूसरी तरफ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को भी खत्म किया गया है। रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा ने एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाया है जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। रेखा गुप्ता भले ही पुरानी संघ के जुड़ी नेता रही हो, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कोई बहुत ज्यादा नहीं रहा है। लेकिन भाजपा की इस नई तरह की राजनीति एवं सोच ने राजनीतिक दिग्गजों एवं कद्दावर नेताओं के स्थान पर नये चेहरों को आगे करके राजनीति की नई परिभाषा गढ़ती रही है, जो सफल भी रही है और राजनीति में परिवार एवं परम्परा को नकारा है। निश्चित ही अन्य राज्यों की भांति दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता भी नया इतिहास का सृजन करते हुए विकास की नई गाथा लिखेंगी। दिल्ली से पहले भाजपा की 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में सरकार थी लेकिन कोई भी महिला मुख्यमंत्री नहीं थी। दिल्ली में चौथी मुख्यमंत्री के रूप में भले ही रेखा गुप्ता का नाम राजनीति गलियारों में व्यापक चर्चा का विषय बन रहा हो, लेकिन राजनीति में महिलाओं के वर्चस्व को बढ़ाने की यह कोशिश अभिनन्दनीय एवं सराहनीय है।

राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और मध्यप्रदेश में भाजपा ने मुख्यमंत्री के नामों को लेकर चौंकाया था। लेकिन यह संदेश भी दिया था कि पार्टी में बड़ा चेहरा होना सब कुछ नहीं है। कर्मठ कार्यकर्ता होना बहुत कुछ है, जो बिना अभिमान पार्टी नेतृत्व के सोच को आसमानी ऊंचाई दे सकता है। रेखा गुप्ता शालीमार बाग सीट से जीतकर पहली बार विधायक बनी हैं। शुक्रवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में रेखा गुप्ता ने नौवें मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ

अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे। रेखा गुप्ता पेशे से एक वकील हैं। भाजपा में उनकी गिनती अग्रणी नेताओं में होती है, वे दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। रेखा गुप्ता का जन्म हरियाणा के जींद में हुआ था, लेकिन उनकी शिक्षा-दीक्षा दिल्ली में हुई है। रेखा गुप्ता से पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी इस पद पर रह चुकी हैं। रेखा गुप्ता पुरानी संघ से जुड़ी नेता रही हैं, दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्र संघ अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपना राजनीतिक सफर शुरु करने वाली रेखा गुप्ता कोमल स्वभाव, खुशमिजाज, संवेदनशील लेकिन बेबाकी, बेखौफ एवं बुलन्द आवाज में अपनी बात रखने का उनका माद्दा उनको एक खास पहचान देता है।

निश्चित ही दिल्ली का नया मंत्रिमण्डल सशक्त एवं कार्यक्षम है। वैसे एक बड़ी सच्चाई तो यही है कि दिल्ली की जीत अगर किसी एक चेहरे पर हुई थी, तो वह नरेंद्र मोदी थे। दिल्ली की जनता से मोदी ने जो वायदे किये हैं, उनको पूरा करने के लिये वे स्वयं दिल्ली पर निगरानी रखेंगे। उनका मार्गदर्शन एवं नेतृत्व ही दिल्ली के विकास की नई गाथा लिखेगा। प्रवेश वर्मा सहित छह लोगों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इस सूची में पंकज सिंह, आशीष सूद, रवींद्र इंद्राज, कपिल मिश्रा और मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम शामिल है। पंकज सिंह बिहार के रहने वाले हैं और राजपूत चेहरा हैं, इसके अलावा रविंद्र इंद्राज दलित चेहरा हैं, कपिल मिश्रा ब्राह्मण तो सिरसा सिख। भाजपा ने सभी वर्गों को मंत्रिमण्डल में जगह दी है।मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का सफर चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि उनका उन सारी घोषणाओं और वादों को पूरा करना है, जो चुनाव के दौरान तीन किश्तों में जारी चुनाव घोषणा पत्र में किए थे और जिसे सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था।

इनमें यमुना की सफाई, स्वच्छ पेयजल, साफ प्रदूषण रहित हवा दिल्ली को देना, प्रति वर्ष 50 हजार नई नौकरियों का सृजन, महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देना, वृद्धों को पेंशन, मुफ्त बस यात्रा, नालों गलियों सीवर की सफाई, सड़कों की मरम्मत, ट्रैफिक जाम से निजात समेत आप सरकार की मुफ्त बिजली पानी जैसी लोकलुभावन योजनाओं को जारी रखना शामिल होगा। खासकर 15 साल तक मुख्यमंत्री रहीं और दिल्ली की सूरत बदलने वाली शीला दीक्षित के कामकाज से रेखा सरकार के कामकाज की तुलना होगी। इसके साथ ही रेखा गुप्ता को उपराज्यपाल और केंद्र सरकार के साथ तालमेल बिठाते हुए भी ये संदेश भी देना होगा कि वे कठपुतली मुख्यमंत्री नहीं हैं। इसके लिए उन्हें शीला और सुषमा का उदाहरण सामने रखकर नयी रेखाएं खिंचनी होगी। भले ही मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ रेखा गुप्ता दिल्ली के दिलों पर छा गई हो, एकाएक उनके फॉलोअर्स की रफ्तार देख हर कोई हैरान हो, उन्होंने दिग्गजों को पछा ?I हो, लेकिन असली परीक्षा अब होगी और वह परीक्षा है उनका काम करने का तरीका एवं दिल्ली को दुनिया की अव्वल राजधानियों में शुमार कराने का।

वैश्विक तनाव में सोने की कीमतों में उछाल

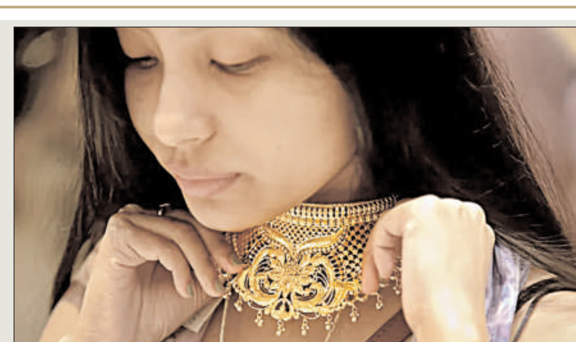

अमेरिका और इंग्लैंड द्वारा नीतिगत ब्याज दरों में कटौती करने और विश्व के कुछ भागों में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के कारण भी सोने की चमक चमकीली हो रही है। गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ने से भी सोने की मांग बढ़ रही है। इधर, शेयर बाजार में हाल में आई गिरावट की वजह से निवेशकों का रुझान सोने की तरफ बढ़ रहा है दूसरी तरफ, भारत में शादी का सीजन शुरू हो चुका है। इसलिए, सोने की कीमत बढ़ने के बावजूद इसकी मांग और कीमत में लगातार इजाफा हो रहा है।

सतीश सिंह

चौदह फरवरी, 2025 को 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने की कीमत 86,360 रुपये के स्तर पर पहुंच गई, जो अब तक का उच्चतम स्तर था। 1 जनवरी से 13 फरवरी तक की अवधि यानी महज 44 दिनों में 10 ग्राम वाले 24 कैरेट सोने की कीमत में 9,092 रुपये का इजाफा हुआ। प्रतिशत में देखें तो इसकी कीमत में लगभग 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और अब 1 लाख रुपए के स्तर को छूने के लिए इसमें केवल 16 प्रतिशत की वृद्धि होनी शेष है। देखने से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि इस साल के अंत तक इसकी कीमत आसानी से 1 लाख रुपये के स्तर को पार कर सकती है। सोने की कीमत में बढ़ोतरी में प्रमुख कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अपनाई जा रही आर्थिक नीतियां हैं। वैश्विक स्तर पर कारोबारी जंग होने की संभावना बढ़ रही है। दूसरी तरफ, अमेरिकी नीतियों और वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार कमजोर हो रहा है।

महंगाई का डर भी देश एवं विदेश में अभी भी बरकरार है। हालांकि, भारत में सब्जियों एवं अन्य खाद्य वस्तुओं की कीमत में कमी आने की वजह से खुदरा महंगाई दर जनवरी महीने में कम होकर 4.31 प्रतिशत के स्तर पर आ गई, जो पिछले 5 महीनों में सबसे कम है। अमेरिका और इंग्लैंड द्वारा नीतिगत ब्याज दरों में कटौती करने और विश्व के कुछ भागों में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के कारण भी सोने की चमक चमकीली हो रही है। गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ने से भी सोने की मांग बढ़ रही है। इधर, शेयर बाजार में हाल में आई गिरावट की वजह से निवेशकों का रुझान सोने की तरफ बढ़ रहा है। दूसरी तरफ, भारत में शादी का सीजन शुरू हो चुका है। इसलिए, सोने की कीमत बढ़ने के बावजूद इसकी मांग और कीमत में लगातार इजाफा हो रहा है। आजादी के 75 सालों में सोने की कीमत आसमान पर पहुंच गई है। इस तरह, सोने की कीमत 78 सालों में चंद रुपयों से आगे बढ़ते हुए 86 हजार रुपये के स्तर को पार कर गई है।

भारत में सोना इतना ज्यादा सोणा इसलिए है, क्योंकि भारत में महिलायें सोने के प्रति दीवानी हैं और यह दीवानगी अनादिकाल से बदस्तूर बनी हुई है। प्राचीनकाल में तो स्त्रियों के साथ-साथ पुरुष भी सोने के गहने पहना करते थे। भारत में किसी भी शुभ मुहूर्त में, शादी, त्योहार या फिर मृत्यु के समय सोने की खरीददारी की जाती है, जबकि पश्चिमी देशों में ऐसा नहीं होता है। वहां के लोग शादी में बहुत सारे गहने नहीं पहनते हैं। न ही वहां, गिफ्ट में सोने के जेवर या सोना देने का चलन है। अमेरिका और यूरोप में शादी में सिर्फ सोने की रिंग दी जाती है, जो 9 या 12 कैरेट की होती है, जबकि भारत में शादी में 22 या 24 कैरेट का सोना जेवर के रूप में लड़की और लड़के को दिया जाता है। आजकल शादी में सोने की बिस्किट भी सौगात में दी जाती है।

भारत में फिल्मों की नायिकायें, बड़े कारोबारी या कॉर्पोरेट्स घराने या फिर राजे-रजबाड़ों के वारिसों की बहू-बेटियां शादी या किसी भी त्योहार या किसी भी पार्टी या कार्यक्रम में महंगे सोने के जेवरात पहनना पसंद करती हैं। इसी वजह से आज शादी-विवाह में अरबों-खरबों रुपये सोने के जेवर खरीदने में खर्च किये जा रहे हैं। शादी के मौसम में या दिवाली में या फिर अक्षय तृतीया में सोने के गहनों की जमकर खरीददारी की जाती है, क्योंकि आजकल सौगात में सोना या सोने के जेवर देने का चलन बहुत ज्यादा बढ़ गया है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) की वर्ष 2024 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में वर्ष 2024 में सोने की मांग में सबसे ज्यादा तेजी आई। डब्ल्यूजीसी ने 2025 के लिए जारी आउटलुक में कहा कि केंद्रीय बैंक सोने में ज्यादा निवेश कर रहे हैं और गोल्ड ईटीएफ में भी बड़ी मात्रा में निवेश किया जा रहा है, जिससे सोने की मांग में लगातार तेजी बनी हुई है।

डब्ल्यूजीसी की 2024 की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत के मंदिरों में 2000 से 4000 टन सोना रखा हुआ हो सकता है। भारत सोने की मांग की घरेलू आपूर्ति खुद से करने में असमर्थ है, इसलिए इसे इसके लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है। वर्ष 2024 के 11 महीनों में भारत ने कुल 47 बिलियन अमेरिकी डॉलर का सोना आयात किया था, जो अब तक का उच्चतम स्तर है, जबकि वर्ष 2023 में भारत ने कुल 42.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का सोना आयात किया था। इसमें स्विट्जरलैंड से 40 प्रतिशत, यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) से 16 प्रतिशत, दक्षिण अफ्रीका से 10 प्रतिशत और शेष आस्ट्रेलिया, गिनी, पेरू आदि देशों से सोना आयात किया था। दुनिया में सबसे ज्यादा सोना चीन खरीदता है। इस समय देश में शादी का सीजन चल रहा है, जिससे आने वाले दिनों भारत में सोने की मांग में और भी इजाफा होने की संभावना है। दूसरी तरफ, मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं, विश्व के कुछ भागों में भू-राजनीतिक तनाव के बने रहने, अमेरिकी नीतियों, रुपये का डॉलर की तुलना में लगातार कमजोर होना, शेयर बाजार में हालिया गिरावट आदि कारणों से भी सोने की कीमत में निरंतर वृद्धि हो रही है।

भोले बाबा की महाशिवरात्रि पर होती है विशेष कृपा

साल 2025 में महाशिवरात्रि का पर्व 26 फरवरी के दिन मनाया जाएगा। साल 2025 में फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि के दिन महाशिवरात्रि का पर्व मानाया जाएगा। साल 2025 में फाल्गुन माह 13 फरवरी से शुरू हो जाएगा। जो 14 मार्च तक चलेगा। महाशिवरात्रि शिव और शक्ति के मिलन का दिन है। इस दिन शिव-पार्वती का विवाह हुआ था। इस दिन शिव भक्तों के लिए व्रत रखना विशेष महत्व है। भोलेनाथ की पूजा के लिए महाशिवरात्रि का दिन सबसे अच्छा और शुभ माना जाता है, इसलिए शिव भक्त इस दिन का बेसब्री से इंतजार करते है। महाशिवरात्रि का शाब्दिक अर्थ शिव की महान रात है। भगवान भोलेनाथ ने गृहस्थ जीवन जिया, साथ ही संयासी की तरह भी रहे। शरीर पर कपड़ों की जगह जानवरों की खाल, महलों में रहने की बजाए कैलाश पर्वत पर बर्फीले और सर्द माहौल में परिवार संग रहे। तरह-तरह के लजीज भोज की बजाए भांग धतूरा खाकर मस्त रहते है। हालांकि सांसारिक चीजों से दूर रहने वाले भगवान शिव का व्यक्तित्व बहुत ही सरल माना जाता है।

महाशिवरात्रि पर रखें व्रत

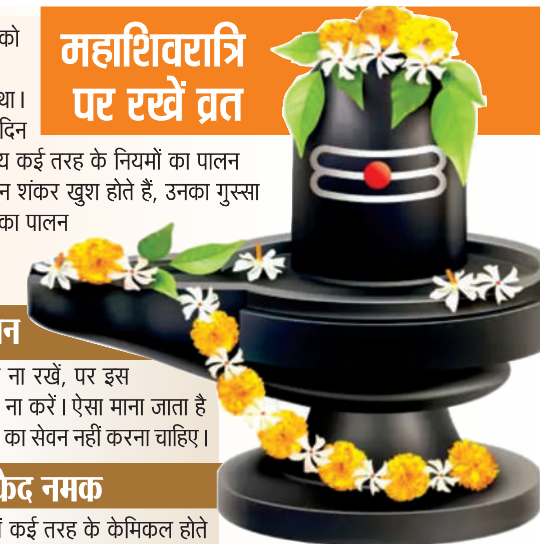

महाशिवरात्रि एक ऐसा त्योहार है, जिस दिन हर कोई भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए पूजा-अर्चना करता है। ऐसी मान्यता है कि, महाशिवरात्रि के दिन ही माता पार्वती और भगवान शिव का विवाह हुआ था। तब से महाशिवरात्रि का त्योहार काफी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग महाकाल को प्रसन्न करने के लिए व्रत भी रखते हैं। व्रत करते समय कई तरह के नियमों का पालन करना बेहद जरूरी होता है। ऐसा कहा जाता है कि जितनी जल्दी भगवान शंकर खुश होते हैं, उनका गुस्सा भी काफी भयानक हैं। इससे बचने के लिए आपको व्रत में सभी नियमों का पालन करना बेहद जरूरी होता है। व्रत रखते समय सबसे जरूरी बात होती है कि इस दिन आप अन्न नहीं खा सकते।

ना करें लहसुन-प्याज का सेवन

भले ही आप शिवरात्रि के दिन व्रत ना रखें, पर इस दिन लहसुन-प्याज का सेवन भी ना करें। ऐसा माना जाता है कि पवित्र दिनों में प्याज-लहसुन का सेवन नहीं करना चाहिए।

ना खाएं सफेद नमक

कहा जाता है कि सफेद नमक में कई तरह के केमिकल होते हैं। ऐसे में व्रत के दिन आप सेंधा नमक खा सकते हैं।

तले-भुने खाने से रहें दूर

अगर आप व्रत रख रहे हैं तो तले-भुने खाने से दूर रहना चाहिए। उपवास में तला भुना खाने से पेट दर्द, गैस और अपच की समस्या हो जाती है।

पूजा की सामग्री और विधि

अगर इस दिन आप मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना करना चाहते हैं तो इसके लिए कई तैयारियां करनी होती हैं। जैसे शिव लिंग के अभिषेक के लिए दूध या पानी, कुछ बूंदे शहद एक साथ मिलाएं। अभिषेक के बाद शिवलिंग पर सिंदूर लगाएं। बाद में धूप और दीपक जलाएं। बेल और पान के पत्ते चढ़ाएं। आखिर में अनाज और फल चढ़ाएं। पूजा संपन्न होने तक 'ओम नमः शिवाय का जाप करते रहें।

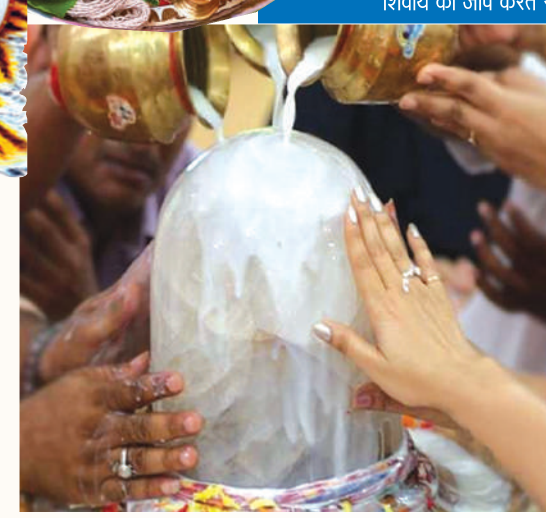

व्रत में इनका करें सेवन

फल- अगर आप शिवरात्रि पर व्रत रखने का सोच रहे हैं, तो खाने का खास ध्यान रखें। व्रत के दौरान आप फल खा सकते हैं। इससे आपकी ऊर्जा भी बनी रहेगी और साथ में पेट भी भरा रहेगा। व्रत में केला, संतरा, सेब, लीची, अनार खाए जा सकते हैं। **ठंडाई**- ऐसा कहा जाता है कि व्रत के दौरान पेय पदार्थों को सेवन करना ज्यादा लाभदायक होता है। इसलिए आप शिवरात्रि के व्रत में ठंडाई का सेवन कर सकते हैं। इससे आपका पेट भी भर जाएगा और ये हेल्दी भी रहेगा। व्रत में आप सादा दूध न पीकर उसमें ड्राई फ्रूट्स, केसर, इलायची आदि वाला दूध पी सकते हैं। **सात्विक भोजन**- व्रत में हमेशा सात्विक भोजन ही करना चाहिए। व्रत में आप आलू, कद्दू, अरबी और लौकी जैसी सब्जियों का सेवन कर सकते हैं। इसके साथ ही सिंघाड़े या कुट्टू के आटे की पूड़ी खा सकते हैं।

हंसना मना है

पति पत्नी मंदिर मे पूजा करने गये, पति : तुमने क्या मांगा? पत्नी : कि आप और मैं सात जन्म तक साथ रहें और तुमने क्या मांगा? पति : भगवान करे ये मेरा सातवां जन्म हो।

हर आदमी का सपना- 7 अंकों में सैलरी 6 अंकों में बचत, 5 बेडरूम वाला घर, 4 पहियों की गाड़ी, 3 हफ्ते की छुट्टियां, 2 प्यारे बच्चे, 1 गूंगी बीवी।

मुर्गी - एक अंडा देना, शॉपकीपर - अंडा तो तुम देती हो, मुर्गी - हां पर मेरे पति ने कहा है की 4 रुपये के लिए क्यों अपना फिगर खराब कर रही हो!

जब घर में बच्चा पैदा होता है, मां- इसकी नाक तो मुझ पर गयी है, बाप- इसकी आंखे मुझ पर गयी है, चाचा- इसके बाल मुझ पर गए है, मां- इसकी स्माइल मुझ पर गयी है, और वही बच्चा जवान होकर जब लड़की छेड़ता है, तो सब बोलते है, पता नहीं बत्तमीज किस पर गया है।

मोहब्बत के खर्चों की बड़ी लंबी कहानी है, कभी फिल्म दिखानी है तो कभी शॉपिंग करानी है, मास्टरजी रोज कहते है कहां है फीस के पैसे? उसे समजाऊँ मैं कैसे की मुझे छोरी पटानी है !

उसने मुझसे पूछा-चाहोगे मुझे कब तक, मैंने भी मुस्कुराके कह दिया, मेरी बीवी- को न पता चले तब तक।

कहानी | बुद्धिमान राजा

सालों पहले एक नगर में एक बुद्धिमान राजा राज्य करता था। उनकी बुद्धि और होशियारी की चर्चा दूर-दूर तक थी। राजा कभी भी बिना सोचे-समझे कुछ नहीं कहता और न ही किसी आरोपी की बात सुने बिना उसे सजा सुनाता था। उसकी बुद्धिमत्ता के चर्चे सुनकर आसपास के राजा, रानियां और राजकुमारी आदि उनसे जलते थे। इसी जलन के चलते सभी उस राजा की बुद्धिमत्ता की परीक्षा लेने के लिए नए-नए तरीके अपनाते थे। हर बार राजा दूसरे राज्य के शासकों द्वारा ली गई परीक्षा में खरा उतर कर खुद को होशियार और योग्य राजा साबित करता था। एक दिन राजा की परीक्षा लेने के लिए एक राजकुमारी आई। उसके हाथों में दो फूलों की माला थी। दोनों माला में से एक असली फूल से बनी थी और दूसरी नकली से। उन दोनों मालाओं को देखकर उनका ये भेद बिल्कुल पता नहीं चल पाता था। इसी वजह से राजकुमारी ने राजा के सामने दोनों मालाएं रखकर पूछा, 'हे राजन! अगर आप बुद्धिमान हैं, तो बताइए कि इनमें से कौन-सी माला असली है। राजदरबार में बैठे सभी दरबारी माला को देखकर हैरान थे, क्योंकि किसी को समझ नहीं आ रहा था कि असली फूलों की माला कौन-सी है। सभी इस सोच में थे कि राजा कैसे बता पाएंगे कि असली फूलों की माला कौन-सी है। राजा भी माला को देखकर परेशान होने लगे। उसी वक्त उनके दिमाग में कुछ तरकीब आई। उन्होंने तुरंत अपने एक सेवक से कहा, 'बगीचे की खिड़कियों को खोल दो।' सेवक ने बगीचे की खिड़की को जैसे ही खोला, तो राजा ने देखा कि फूल में बैठी मधुमक्खियां खिड़कियों से राज दरबार में आ रही हैं। वो कुछ देर मधुमक्खियों को ही देखते रहे। जैसे ही एकात मधुमक्खी एक फूल की माला में बैठी, वैसे ही राजा ने कहा कि अब मैं बता सकता हूं कि असली माला कौन-सी है। राजा ने तुरंत उस माला की तरफ इशारा किया, जिसपर मधुमक्खी बैठ रखी थी। राजा की होशियारी देखकर दरबार में मौजूद सभी उनकी तारीफ करने लगे। सभी कहने लगे कि हर राज्य को आपके जैसे ही बुद्धमान राजा की जरूरत है। राजकुमारी भी राजा के बुद्धिमत्ता देखकर खुश हो गई। उसने भी बुद्धिमान राजा की तारीफ में कुछ शब्द कहे और वहां से अपने राज्य की ओर निकल पड़ी।

7 अंतर खोजें

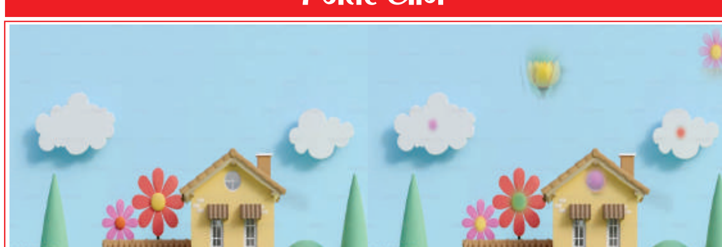

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष - दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा।

तुला - अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।

वृषभ - किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं।

वृश्चिक - कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

मिथुन - आज अचानक व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

धनु - किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कर्क - कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी।

मकर - परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

सिंह - तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं।

कुम्भ - जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। व्यापार ठीक चलेगा।

कन्या - यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मीन - किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | अपकमिंग

हिट 3 का टीजर जारी, एक मई को होगी रीलीज

साउथ के नेचुरल स्टार नानी की आगामी फिल्म हिट : द थर्ड केस का टीजर जारी हुआ है। आज अभिनेता के जन्मदिन पर फैंस को खास तोहफा मिला है। फिल्म के टीजर में नानी का हिंसक पक्ष दिखाया गया है अभिनेता के जन्मदिन के अवसर पर रिलीज की गई है। टीजर में नानी का हिंसक पक्ष दिखाया गया है। साथ ही अभिनेता का एक्शन अवतार देखने को मिला। नानी ने अपने चौंकाने वाले परिवर्तन से दर्शकों को चौंका दिया। फिल्म में नानी ने एक क्रूर पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है, जो अपराधियों पर कोई दया नहीं दिखाता। कश्मीर की भयावह पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म अर्जुन सरकार (नानी द्वारा अभिनीत) की कहानी बयां करता है, जो एक उग्र और निर्दयी अधिकारी है, जिसे एक सीरियल किलर का शिकार करने के लिए बुलाया जाता है। टीजर में एक दृश्य में नानी को एक गुंडे के शरीर को बेरहमी से चीरते हुए दिखाया गया है, जो फ्रेंचाइजी में एक्शन का तड़का लगा रहे हैं। विश्वक सेन और अदिवी शेश अभिनीत हिट फ्रेंचाइजी की पहली दो किस्तों को इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर के रूप में पेश किया गया था, लेकिन हिट 3 में निर्देशक नानी के हिंसक पक्ष को अधिक दिखा रहे हैं। टीजर के एक संवाद में नानी कहते हैं कि धारणा के विपरीत वह स्वाभाविक रूप से हिंसक हैं। नानी के अलावा फिल्म में श्रीनिधि शेट्टी भी मुख्य भूमिका में होंगी। इससे पहले इंस्टाग्राम पर अपने लुक का परिचय देते हुए नानी ने लिखा, पुलिस कम। अपराधी ज्यादा। अर्जुन सरकार ने कार्यभार संभाला। नानी 32 अब हिट द थर्ड केस है। खून के दरवाजे 1 मई 2025 को खुलेंगे। फिल्म में उनके किरदार से पता चलता है कि वह पुलिस वाले से कम और अपने तरीके से मामलों को सुलझाने वाले अपराधी से ज्यादा होंगे। शैलेश कोलानू द्वारा निर्देशित यह फिल्म 1 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। प्रशंसक अभिनेता को इस नए अवतार में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

शाहरुख ने मुझसे नहीं लिए थे ब्याज के पैसे : रेणु चोपड़ा

बोलीं- उन्होंने बताया ये मेरे लिए हराम है

साल 2017 में इत्तेफाक फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अक्षय खन्ना, सोनाक्षी सिन्हा और सिद्धार्थ मलहोत्रा थे। फिल्म के निर्देशक अभय चोपड़ा थे और फिल्म को शाहरुख खान ने प्रोड्यूज किया था। हाल ही में प्रोड्यूसर अभय चोपड़ा की मां ने एक किस्सा सुनाया है, जिसमें उन्होंने शाहरुख खान की तारीफ की है। उन्होंने बताया कि कैसे शाहरुख खान ने इस फिल्म को प्रोड्यूज किया और इसके मुनाफे का एक भी पैसा नहीं लिया। रेणु ने बताया कि हम लोग इत्तेफाक बनाने वाले थे। हमने तय किया कि हम शाहरुख खान के साथ फिल्म बनाएंगे। हम शाहरुख से मिलना चाहते थे, लेकिन वह बहुत बिजी थे। फिर उन्होंने हमें बुलाया और पूछा कि मैं क्या चाहती हूं। मैंने कहा मेरे पास पैसे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मैं लगा दूंगा। मैंने कहा मेरे बच्चे अच्छे से फिल्म बनाएंगे। रेणु ने आगे बताया ये मेरे छोटे बेटे की अभय चोपड़ा की डेब्यू फिल्म थी। शाहरुख ने कहानी भी नहीं पढ़ी। उनका मानना है कि मैं घोड़े पर नहीं घुड़सवार पर पैसे लगाता हूं। जब पिक्चर की शूटिंग खत्म हुई तो फाइनेंसर को ब्याज देना था। हमने जब शाहरुख को ब्याज के पैसे देने चाहे तो उन्होंने कहा कि ये मेरे लिए हराम है, ये मैं नहीं ले सकता। रेणु ने आगे एक निजी याद साझा की कि कैसे शाहरुख उनके घर आए जब उनके पति रवि चोपड़ा बीमार थे। शाहरुख बस उनका हालचाल जानने और उन्हें अपना सपोर्ट देने के लिए आए थे। रेनू ने यह भी बताया कि कैसे शाहरुख ने अपने दिवंगत पिता की ज्ञान भरी बातें उनके साथ साझा की थीं, जिससे उन्हें अपने पति के निधन के बाद मुश्किल दौर से उबरने में मदद मिली। रेणु के मुताबिक शाहरुख के पिता ने उनसे कहा, तुम वही करो जो तुम्हारा दिल चाहे और अगर दिल न चाहे तो कुछ मत करना क्योंकि जो कुछ नहीं करते वो कमाल करते हैं।

फिल्म न चलने पर मैं डिप्रेशन में रहा: आमिर

बोले- लाल सिंह चड्ढा और ठग्स ऑफ हिंदोस्तान के फेल होने पर दो-तीन हफ्तों तक रोते रहे थे

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान ने हाल ही में लाल सिंह और ठग्स ऑफ हिंदुस्तान फिल्म की असफलता को लेकर बात की है। अभिनेता ने फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर नहीं चलने पर अपनी हालत के बारे में बात की है। आमिर ने बताया कि जब लाल सिंह चड्ढा और ठग्स ऑफ हिंदोस्तान बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली तो वे दो-तीन हफ्तों तक रोते रहे थे और डिप्रेशन में चले गए थे। उन्होंने बताया कि वह अपनी असफलताओं को कैसे महत्व देते हैं, क्योंकि इससे उन्हें खुद को और काम करने का सबक भी मिलता है। बता दें कि लाल सिंह चड्ढा फिल्म फॉरेस्ट गंप की रीमेक थी, इसमें आमिर के साथ करीना कपूर खान भी नजर आईं थीं। आमिर ने कहा, मैं उस समय बहुत दुखी था, मैं बहुत इमोशनल भी हूं। ठग्स ऑफ हिंदोस्तान कमजोर फिल्म रही थी, हम जो बनाना चाह रहे थे, नहीं बना पाए थे। फिल्म बनाना एक कठिन काम है, कई बार हम वो काम नहीं कर पाते जो हम करना चाहते हैं। आमिर ने कहा, इसका मतलब ये नहीं कि हमें काम नहीं आता, हमें अपनी गलतियों से सीखना चाहिए। लाल सिंह चड्ढा के बारे में बात करते हुए अभिनेता आमिर खान ने कहा कि वह फिल्म पूरी तरह से मुख्य अभिनेता के अभिनय पर निर्भर थी। मुझे लगता है मेरे अभिनय की पिच काफी ज्यादा थी। मूल फिल्म में टॉम हैंक्स ने कितना बढ़िया काम किया था। वह सभी को एक सैर पर ले गया था, मैं ऐसा नहीं कर पाया। आमिर ने कहा कि जब मेरी फिल्में अच्छी नहीं चलती तो मैं दो तीन हफ्ते तक डिप्रेशन में चला जाता हूं, ठीक से काम नहीं कर पाता बस रोता रहता हूं। इसके बाद जब शोक का समय बीत जाता है, अपनी टीम को बुलाता हूं और अपनी असफलताओं के बारे में सोचता हूं, समझने की कोशिश करता हूं कि आखिर मैंने कहां गलती की है।

बीवी को कानोंकान खबर नहीं पति ने पैदा कर लीं सैकड़ों औलादें

कहते हैं एक अच्छे रिश्ते के लिए दो लोगों के बीच पारदर्शिता का होना बहुत ज़रूरी है। जितना साफ-सुथरा रिश्ता होगा, उतना ही लंबा टिकेगा। हालांकि कई बार परिस्थितियों तो कई बार कुछ और वजहों से लोगों के बीच दूरियां आ जाती हैं। अगर ये स्थिति पति-पत्नी के बीच आ जाए तो वाकई मामला गंभीर हो जाता है। कुछ ऐसा ही हुआ एक शख्स के साथ, जिसकी पत्नी को उसके पास्ट के बारे में पता चला तो वो बर्दाश्त नहीं कर पाई। रेडिट पर इस शख्स ने अपनी कहानी सुनाई है और बताया है कि वो अपने पास्ट में कुछ ऐसे काम करता था, जो उस वक्त उसे सही लगते थे। हालांकि शादी के बाद उसने इससे दूरी बनाने की कोशिश की लेकिन एक दिन उसका सच पत्नी के सामने आ ही गया। उस दिन के बाद से उसकी ज़िंदगी में जो भूचाल आया, उसे कोई दूसरा नहीं समझ सकता। इस आदमी ने अपने बारे में लिखा है कि वो कॉलेज के दिनों में आसानी से पैसे पाने के लिए स्पर्म डोनेशन का रास्ता अपनाया। वो माता-पिता नहीं बन पाने वाले कपल्स की मदद भी करता था और उसे पैसे भी मिलते थे। जब वो अपनी गर्लफ्रेंड और अब पत्नी से मिला, तो उसने ऐसा करना बंद कर दिया। उसकी शादी को 6 हो गए हैं और 2 बच्चे भी हैं। वैसे तो उसने ये काम बंद कर दिया था, लेकिन जब उसे कुछ साल पहले पैसे की ज़रूरत थी, तो उसने एक बार फिर स्पर्म डोनेशन का रास्ता अपनाया। हालांकि ये थोड़े दिन के लिए था और वो अब भूल भी चुका था। ये बात सामने तब आई, जब पति-पत्नी दोस्तों के बीच बैठे थे और बात बच्चों को कंसीव करने में होने वाली परेशानी पर चल रही थी। ऐसे में शख्स ने कॉलेज में स्पर्म डोनेशन के बारे में बताया। उसकी पत्नी को जैसे ही ये सच पता चला, वो गुस्से में आ गई। घर आने के बाद इस पर उसकी जमकर बहस हुई। शख्स को इसमें कुछ गलत नहीं लग रहा था, लेकिन पत्नी इसे धोखा करार दे रही थी। शख्स की इस पोस्ट पर कुछ लोगों ने उसे सही तो कुछ ने गलत ठहराया। एक यूज़र का कहना था उसके बायोलॉजिकल बच्चे पता नहीं कहां-कहां होंगे और कोई उसके पास आया, तो क्या होगा।

अजब-गजब | जितने ज्यादा लटके होंठ, उतनी ज्यादा खूबसूरत

शादी के लिए लग जाती है लाइन

आज के समय में कई तरह के फैशन ट्रेंड्स देखने को मिलते हैं। फैशन में बदलाव आता रहता है। कभी पुराने ट्रेंड्स ही फिर से सदाबहार हो जाते हैं तो कभी कोई नया डिजाइन लोगों के बीच छा जाता है। अगर आपको ऐसा लगता है कि फैशन करना सिर्फ शहर के लोगों को आता है, तो ज़रा रुकिए। इथियोपिया के मुर्सी ट्राइब शहर के चकाचौंध से बेहद दूर हैं। लेकिन इनका फैशन सबसे जुदा है। यहां लोगों के लटके होंठ उन्हें खूबसूरत बनाता है। जी हां, जहां शहर की लड़कियां अपने होंठों पर लिपस्टिक लगाकर उन्हें खूबसूरत बनाती है, वहीं मुर्सी ट्राइब में लड़कियां अपने होंठ को लटका कर खूबसूरत बनाती हैं। जी हां, इस ट्राइब में जिसके होंठ जितने ज्यादा लटके होते हैं, वो उतना ही खूबसूरत माना जाता है। ना सिर्फ लड़कियां, यहां लड़के भी अपने होंठ को लटका लेते हैं। हालांकि, इसका तरीका काफी दर्दनाक होता है। इसके बावजूद अपने ट्राइब की परंपरा के लिए ये लोग इस दर्द को सहने के लिए तैयार हो जाते हैं। मुर्सी ट्राइब को काफी खूंखार माना जाता है। इनकी आबादी दस हजार के लगभग है। इस जनजाति के लोग अपनी परंपराओं से काफी बंधे हुए हैं। ये इनकी नदरअंदाजी बर्दाश्त

नहीं करते। रिवाज के नाम पर ये लोग गाय का खून पीते हैं। इसके अलावा होंठ को लटकाने के लिए उसके अंदर बड़ा सा डिस्क लगा लेते हैं। शादी के लिए भी यहां लड़ाइयां होती है। दो मर्द डंडे से लड़ाई करते हैं। जिसकी जीत होती है, वो इस जंग में जीत जाता है। साथ ही उसे सुन्दर पत्नी मिलती है। मुर्सी जनजाति की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर अवेलेबल है। लेकिन पहले ऐसा नहीं होता था। ये जनजाति बाहर के लोगों को एंट्री नहीं देता। अगर कोई बिना इजाजत के चला जाता है, तो उसकी जान भी ले लेते हैं। हालांकि, अब ये जनजाति बाहर की दुनिया से घुलमिल रहा है। इस वजह से इसकी तस्वीरें और जनजाति की जानकारी मिल रही है। भारत में भी एक ऐसी जनजाति है जो बाहर के लोगों को अपने इलाके में आने नहीं जनजाति के इलाके के ऊपर से विमान भी नहीं उड़ते। इसे भारत में जाने के लिए बैन किया गया है।

शिवराज टूटी कुर्सी पर बैठ भी गए तो कौन सा पहाड़ टूट गया : दिग्विजय

पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्रीय कृषि मंत्री को घेरा

» बोले- महाकुंभ में पानी को साफ नहीं किया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। कृषि मंत्री शिवराज सिंह के एयरइंडिया में टूटी कुर्सी पर बैठनों को लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने उनका समर्थन करने के साथ ही कटाक्ष भी किया। सोमवार को इंदौर दौरे पर आए सिंह ने हंसते हुए कहा कि वह भी उसी विमान में सवार थे, परंतु उनकी कुर्सी में कोई खामी नहीं थी दिग्विजय सिंह ने स्पष्ट किया कि केंद्रीय मंत्री को विमान में फर्स्ट रो की सीट आवंटित की जाती है, और यदि ऐसा नहीं हुआ तो यह एयर इंडिया की त्रुटि है तथा उन्हें उचित सीट प्रदान की जानी चाहिए थी। जहां तक टूटी कुर्सी का सवाल है, उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं कभी-कभार हो ही जाती हैं और शिकायत करने का कोई मतलब नहीं बनता, खासकर एक-डेढ़ घंटे की उड़ान के संदर्भ में।

बैठ भी गए तो कौन सा पहाड़ टूट गया। प्रयागराज के महाकुंभ में पानी की गुणवत्ता को लेकर सिंह ने बताया कि यह मामला अब एनजीटी के पास भेजा जा चुका है। हालांकि, विभिन्न लैब रिपोर्ट्स में पानी में मल-मूत्र के अंशों का पता चला है। मुद्दे का मूल यह है कि जब साढ़े सात हजार करोड़ सफाई के लिए खर्च हुए, तो केमिकल डालकर पानी को सुधारने का प्रयास क्यों नहीं किया गया। वहीं सिंह ने आगे आरोप लगाया कि एक ओर पीएम मोदी ट्रंप को अपना मित्र बताते हैं और प्रशंसा भरी बातें करते हैं, वहीं दूसरी ओर वे निरंतर भारत का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि भारत जैसा टैरिफ लगाता है और अमेरिका भी समान कदम उठाने लगे, तो इससे हमारे दुग्ध उत्पादक, किसान और अमूल को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। पीएम मोदी के अमेरिका में रहते समय, जहां अवैध निवास करने वालों को मिलिट्री एयरक्राफ्ट में बेड़ियां बांधकर भेजा गया था, वहीं कई छोटे देशों ने तो अपना विमान भेजने की व्यवस्था भी की थी। ऐसी स्थिति में पीएम मोदी को कड़ी आपत्ति जतानी चाहिए थी। वहीं बागेश्वर धाम में अस्पताल के भूमिपूजन के अवसर पर, सिंह ने पीएम मोदी तथा बागेश्वर बाबा की सराहना करते हुए कहा कि नर ही नारायण हैं - यही सम्पूर्ण सनातन धर्म का सार भी है। उनका कहना था कि धर्म का राजनीतिक उद्देश्यों के लिए उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। यदि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में गरीबों की सहायता करते हुए संस्थागत सुधार किए जाएं, तो इसका प्रभाव कहीं अधिक सकारात्मक होगा।

एक बार फिर ईवीएम में गड़बड़ी की बात उठाई

सिंह ने कहा कि ईवीएम में गड़बड़ी है, जैसा कि मस्क और ट्रंप समेत कई इस बात पर जोर दे रहे हैं, पर पीएम मोदी अपने मित्र की बात को स्वीकार नहीं कर रहे हैं। उनका मानना है कि चुनाव आयोग अब निरंकुश बन चुका है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि लोकतंत्र को बचाए रखने के लिए आवश्यक नियंत्रण लागू किया जाए।

ट्रंप भारत का निरंतर कर रहे हैं अपमान

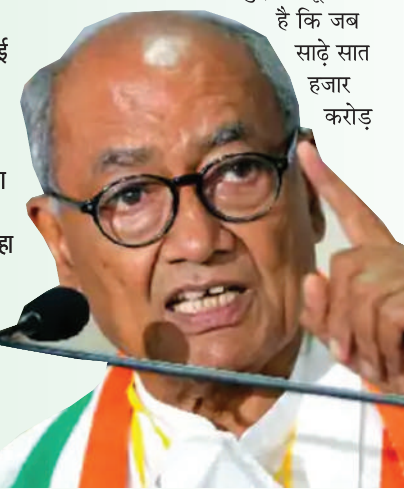

पीएम का भाषण बासी कड़ी में उबाल लाने का प्रयास : पटवारी

प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए भाषण को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस के कई नेताओं ने तंज कसा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री का भाषण बासी कड़ी में उबाल लाने का प्रयास है। उन्होने कहा कि आज पूरा प्रदेश इन्वेटर समिट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भाषण बड़ी उम्मीद लगाकर सुन रहा था। प्रधानमंत्री जैसे पद पर आसीन व्यक्ति जब बोलता है तब परिवर्तन और विकास सुनिश्चित होता है, किंतु उनके रटे-रटाये भाषण में न कोई दृष्टिकोण था, न ही कोई संकल्प था। प्रदेशवासियों को उनसे औद्योगिक विकास के लिए कोई विशेष पैकेज एवं घोषणा की अपेक्षा थी और वे यह भी बताते कि पिछली भाजपा सरकारों में की गई इन्वेस्टर समिट की विफलताओं के क्या कारण थे, जिसमें दावों के अनुपात में महज 3 प्रतिशत का ही निवेश आया? पटवारी ने कहा कि मोदी ने उद्योगपतियों का कीमती समय 20 साल पहले कांग्रेस सरकारों की आलोचना करने में खराब कर दिया, जबकि उन्हें बताना था कि उनके पास निवेश के लिए क्या सहूलियतें हैं इतने बड़े मंच, से ऐसी छोटी राजनीति करने से उद्योगपति बिदक जाते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकारों के दौरान बम्फर निवेश आया था, जिसके ज्वंलत उदाहरण मंडीदीप, गोविंदपुरा, मालनपुर, पीथमपुर जैसे औद्योगिक क्षेत्र हैं। वहीं भाजपा सरकारों के दौरान एक भी औद्योगिक क्षेत्र विकसित नहीं हुआ और जो कांग्रेस ने उद्योग लगाये थे, उनकी हालत दयनीय हो चुकी है। जिन निवेशकों ने भाजपा सरकार के वादों पर विश्वास कर 80 हजार करो? रूपये लॉजिस्टि एवं वेयरहाउसिंग क्षेत्रों में लगाये थे, उनका लगभग 8 हजार करो? रूपये शासन पर बकाया है। स्थिति यह है कि आज उन निवेशकर्ताओं के घरवार बिकने की नौवत आ चुकी है।

चैंपियन ट्रॉफी : न्यूजीलैंड-भारत सेमीफाइनल में

» कीवीयों ने रचिन रविंद्र के शतक से बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रावलपिंडी। रचिन रवींद्र के शतक और कप्तान टॉम लाथम के अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया। इस ग्रुप से भारत और न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में नौ विकेट पर 236 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने 46.1 ओवर में पांच विकेट पर 240 रन बनाकर मैच जीत लिया। न्यूजीलैंड की इस टूर्नामेंट में यह लगातार दूसरी जीत है।

भारत और न्यूजीलैंड ने ग्रुप चरण में अपने शुरुआती दोनों मुकाबले जीते। भारत ने बांग्लादेश और पाकिस्तान को मात दी, जबकि न्यूजीलैंड ने भी इन दोनों टीमों के खिलाफ जीत दर्ज की। भारत और न्यूजीलैंड के दो मैच में दो जीत से चार-चार अंक हैं। लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की पारी लड़खड़ा गई थी और टीम ने 72 रन के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद इस टूर्नामेंट में अपना पहला मैच खेल रहे रचिन ने लाथम के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 129 रनों की साझेदारी की। यह न्यूजीलैंड के लिए चैंपियंस ट्रॉफी में चौथी सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है। रचिन और लाथम ने न्यूजीलैंड को मुश्किल से उबारा और जीत की नींव रखी। रचिन 105 गेंदों पर 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 112 रन बनाए। वहीं, लाथम 76 गेंदों पर तीन चौके की मदद से 55 रन बनाकर आउट हुए। पिछले मैच की तरह बांग्लादेश के बल्लेबाज इस मैच में भी नहीं चले, लेकिन शांतो और जाकिर ने कुछ अच्छी पारियां खेली जिससे टीम चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रही।

मेजबान पाकिस्तान और बांग्लादेश बाहर

न्यूजीलैंड की जीत के साथ ही ग्रूप ए से गत चैंपियन पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों का सफर टूर्नामेंट में ग्रूप चरण में ही समाप्त हो गया है। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट का गत चैंपियन होने के साथ ही मेजबान भी था, लेकिन उसका प्रदर्शन काफी खराब रहा जिस कारण टीम का सफर ग्रूप चरण में ही थम गया। दिलचस्प बात यह है कि 19 फरवरी को इस आईसीसी टूर्नामेंट की शुरुआत हुई और छह दिन बाद ही मेजबान टीम का सफर खत्म हो गया। पाकिस्तान ने इसके साथ ही कुछ अनचाहे रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। 2009 के बाद यह पहली बार है जब चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबान टीम ग्रूप चरण से ही बाहर हो गई है। आखिरी बार ऐसा दक्षिण अफ्रीका के साथ हुआ था जब टीम ने तीन में से दो मैच हारे और एक में उसे जीत मिली थी। दक्षिण अफ्रीका की टीम उस वक्त ग्रूप में सबसे नीचे रही थी।

'तमिलनाडु में एनईपी को लागू नहीं करूंगा'

» स्टालिन बोले- 10 हजार करोड़ देने की पेशकश पर भी नहीं झुकूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लेकर केंद्र के खिलाफ अपना हमला जारी रखते हुए शनिवार को कहा कि अगर केंद्र उनके राज्य को 10,000 करोड़ रुपये देने की पेशकश करे तो भी वह इसे लागू करने के लिए सहमत नहीं होंगे। उन्होंने दावा किया कि एनईपी का विरोध केवल हिंदी थोपने के प्रयास के कारण नहीं है, बल्कि कई अन्य कारकों के कारण भी है, जिनके छात्रों के भविष्य और सामाजिक न्याय प्रणाली के लिहाज से गंभीर परिणाम होंगे।

स्टालिन ने यहां अभिभावक-शिक्षक संघ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'छात्रों को पढ़ाई छोड़ने की अनुमति देना उन्हें पढ़ाई न करने के लिए कहने के समान है। स्टालिन ने दावा किया कि हम किसी भी के विरोधी नहीं हैं, लेकिन इसे थोपे जाने का विरोध करने के प्रति दृढ़ रहेंगे। हम केवल हिंदी थोपने के प्रयास के लिए एनईपी का विरोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि कई अन्य कारणों से भी इसका विरोध कर रहे हैं। एनईपी प्रतिगामी है। यह छात्रों को स्कूलों से दूर कर देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों को वित्तीय सहायता देने से इनकार करने के अलावा (जो अभी प्रदान की जा रही है) एनईपी ने तीसरी, पांचवीं और आठवीं कक्षाओं के लिए सार्वजनिक परीक्षा का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा कि इसके तहत कला और विज्ञान कॉलेजों में प्रवेश के लिए एक सामान्य प्रवेश परीक्षा की शुरुआत की गई है।

हम अलगाववादी नहीं, लेकिन मोदी हमें मजबूर कर रहे : राजा

डीएमके सांसद ए राजा ने भाषा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन पर देश में विभाजन पैदा करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। राजा ने पीएम के रुख पर सवाल उठाया और कहा कि बीजेपी विभाजन को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा कि कुछ लोग भाषा के नाम पर देश को अलग करने की कोशिश कर रहे हैं। यदि आपको संदेह है कि हम भाषा के नाम पर देश को अलग कर देंगे, तो क्या हमें यह भी संदेह नहीं होना चाहिए कि आप धर्म के नाम पर देश को विभाजित करने की कोशिश कर रहे हैं?

शराब और ड्रग्स की ओर जा रहे जम्मू-कश्मीर के युवा : इल्तिजा

» पीडीपी नेता बोलीं- सरकार लगाए रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती श्रीनगर में पीडीपी कार्यालय में हस्ताक्षर अभियान में शामिल होने का आह्वान कर रही हैं। इस अभियान का उद्देश्य शराब की खपत पर प्रतिबंध लगाने वाले पीडीपी के विधेयक के लिए समर्थन जुटाना है। एक्स पर इल्तिजा मुफ्ती ने लिखा कि शराब और ड्रग्स जम्मू-कश्मीर में जीवन और परिवारों को बर्बाद कर रहे हैं। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, हमें इसे खत्म करने के लिए एक साथ आना होगा।

इल्तिजा ने कहा कि कुपवाड़ा से हमारे विधायक फैयाज अहमद मीर ने शराबबंदी पर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एक विधेयक पेश किया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के युवा शराब और ड्रग्स की ओर जा रहे हैं। हम लोगों में जागरूकता पैदा करना चाहते थे।

सिख और दलित को लेकर दिल्ली में बवाल

किसी की तस्वीर नहीं हटाई गई : भाजपा

» विस में आप ने रेखा सरकार को घेरा

» अभिभाषण के बीच आप का हंगामा, कई विधायक किए गए बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कैग रिपोर्ट पर भारी बवाल

नई दिल्ली। विधानसभा सत्र के पहले ही दिन सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव दिखा। विपक्ष ने सत्ता पक्ष पर सिख व अनुसूचित जाति का विरोधी होने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। नवनिर्वाचित विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की ओर से बार-बार शांत रहने की गुजारिश को विपक्ष ने अनसुना किया। इससे नाराज होकर अध्यक्ष ने विपक्ष को अराजक करार देते हुए सदन की कार्यवाही में जान बूझकर बाधा डालने की बात कही। विधान सभा अध्यक्ष ने आप पूर्व सीएम आतिशी समेत कई सदस्यों को सदन से बाहर कर दिया।

उधर, भाजपा ने सीएम दफ्तर की तस्वीर जारी कर कहा कि किसी भी महापुरुष की तस्वीर हटाई नहीं गई है। मुख्यमंत्री की कुर्सी के ठीक पीछे राष्ट्रपिता, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की तस्वीर है। दूसरी दीवार पर बाबा साहब भीमराव आंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीर है। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष पद पर विजेंद्र गुप्ता के निर्वाचन के बाद सदन में बधाई प्रस्ताव लाया गया। वहीं इसके अलावा दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी सहित आम आदमी पार्टी (आप) के कम से कम 12 विधायकों को अब खत्म हो चुकी शराब नीति पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट पेश करने पर हंगामे के कारण विधानसभा सत्र से दिन भर के लिए निलंबित कर दिया गया है। दिन का सत्र शुरू होते ही उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सदन को संबोधित किया। हालांकि, उनके भाषण को आप विधायकों ने बाधित किया। उन्होंने भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की।

केजरीवाल ही एकमात्र व्यक्ति हैं जो झूठ बोलते हैं : सिरसा

आप के आरोपों पर जवाब देते हुए दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि जिस पार्टी ने सिख दंगा कराने वाली पार्टी का साथ दिया वह हमें यह बता रहे हैं कि भाजपा सिख व अनुसूचित जाति विरोधी है। वहीं, भाजपा विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने कहा कि कोई फोटो नहीं हटाई गई है। अरविंद केजरीवाल ही एकमात्र व्यक्ति हैं जो झूठ बोलते हैं। इनके सभी मंत्री जेल गए हैं। अब जो बचे है उन्हें भी पैसा चाहिए। अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने सदन की गरिमा को तार-तार किया है। ऐसी परिपाटी बनाने का काम किया जो सदन की गरिमा पर ठेस है।

स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने विधायकों से शांत रहने का कई बार अनुरोध किया, लेकिन वे उपराज्यपाल के भाषण को बाधित करते रहे। परिणामस्वरूप, अध्यक्ष ने विधायकों को दिन भर के लिए निलंबित कर दिया। अपने निलंबन के बाद विधायकों ने विधानसभा परिसर में धरना दिया, वहीं हंगामा शांत न होने पर विधानसभा अध्यक्ष को कुर्सी से उठकर बोलना पड़ा। फिर भी, विपक्ष शोर मचाता रहा। इस दौरान अध्यक्ष ने सदस्यों को नियम की याद दिलाते हुए कहा कि जब अध्यक्ष अपनी कुर्सी से उठकर कोई बात सदन में रखते हैं तो सदस्यों को शांतिपूर्वक बैठ जाना चाहिए। इसके बाद ही सदन की कार्यवाही चल पाई। इसके बाद उन्होंने निर्विरोध निर्वाचित होने पर सदस्यों को धन्यवाद दिया और संसदीय नियमों के तहत सदन की कार्यवाही चलाने की बात कही।

बाबा साहेब और भगत सिंह की तस्वीर हटाई गईं : आतिशी

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के बोलने के बाद खड़ी हुईं नेता प्रतिपक्ष ने बधाई देने के साथ ही सीएम व भाजपा पर आरोप लगाया कि विधानसभा के सीएम कार्यालय से डॉ. भीमराव आंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरें हटा दी गई हैं। इसकी जगह राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की तस्वीरें लगा दी गई हैं। पुरानी तस्वीरें हटाने का दावा करते हुए आतिशी ने सीएम और भाजपा पर अनुसूचित जाति व पंजाब के लोगों का विरोधी बताया। इसके बाद पूरा विपक्ष सत्ता पक्ष के खिलाफ नारेबाजी करने लगा। उनका कहना था कि इससे भाजपा की अनुसूचित जाति व सिख विरोधी मानसिकता जाहिर है। बाबा साहेब और भगत सिंह की तस्वीर हटाना इसी मानसिकता का सबूत है। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली सरकार के हर कार्यालय में बाबा साहेब आंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरें लगाई थीं। जब से भाजपा सत्ता में आई है, मुख्यमंत्री कार्यालय से इन दोनों महापुरुषों की तस्वीरें हटा दी हैं। आतिशी ने दोनों की तस्वीरें दोबारा लगाने की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष ने बार-बार कहा कि वक्त बधाई प्रस्ताव पर चर्चा का है। दूसरे प्रस्तावों पर बाद में चर्चा होगी। बावजूद इसके विपक्ष शांत नहीं हुआ। इससे अध्यक्ष ने 15 मिनट के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने के बाद भी विपक्ष नारेबाजी करता रहा, जबकि विधानसभा सदस्य बधाई प्रस्ताव पर बोलते रहे। इसी बीच आप विधायक अनिल झा को बोलने के लिए विधानसभा अध्यक्ष ने आमंत्रित किया। बार-बार नाम लेने के बाद भी उन्होंने अपनी बात नहीं रखी। इस पर विजेंद्र गुप्ता ने अपनी पार्टी के सदस्य को भी बोलने न देने का आरोप विपक्ष पर लगाया।

कमजोरों का मजाक उड़ाता है मोदी का नारा : खरगे

» बोले- सरकार ने एससी एसटी और अल्पसंख्यक छात्रों की छात्रवृत्तियां छीनीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सबका साथ सबका विकास के नारे पर कांग्रेस अध्यक्ष ने कसा तंज

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यक समुदायों के बच्चों की छात्रवृत्ति के लाभार्थियों की संख्या में कथित गिरावट को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि सबका साथ, सबका विकास का नारा कमज़ोर वर्गों के अरमानों का मज़ाक उड़ाता है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक चार्ट साझा किया जिसमें उल्लेख है कि एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक बच्चों के लिए छात्रवृत्ति के लाभार्थियों में भारी गिरावट आई है।

खरगे ने 'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित एक पोस्ट में कहा, नरेन्द्र मोदी जी, देश के एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं की छात्रवृत्तियों को आपकी सरकार ने हथियाने का काम किया है। उन्होंने दावा किया कि ये शर्मनाक सरकारी आँकड़े बताते हैं कि सभी वज़ीफों में मोदी सरकार ने लाभार्थियों की संख्या में भारी कटौती तो की है, साथ ही औसतन साल-दर-साल 25 प्रतिशत फंड भी कम ख़र्च किया है। खरगे ने सवाल किया कि जब तक देश के कमज़ोर वर्ग के छात्रों को अवसर नहीं मिलेगा, उनके हुनर को प्रोत्साहन नहीं मिलेगा, तब तक हम अपने देश के युवाओं के लिए नौकरियां कैसे बढ़ा पाएंगे? उन्होंने आरोप लगाया, आपका 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा, रोज़ाना कमज़ोर वर्गों के अरमानों का मज़ाक उड़ाता है।

पीएम के असम दौरे पर भी खरगे ने साधा था निशाना

इससे पहले खरगे ने पीएम मोदी के असम दौरे पर भी निशाना साधा था। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में खरगे ने लिखा कि हाल ही में असम में कांग्रेस नेताओं पर शारीरिक और राजनीतिक दोनों तरह से हमले किए गए। इनका जवाब जनता देगी। असम राज्य, भाजपा के भू-माफिया द्वारा भ्रष्टाचार, नफरत और कुशासन का परिणाम झेल रहा है। खरगे ने लिखा कि युवाओं की बेरोजगारी, चाय बागान के कर्मियों की लाचारी, गैरकानूनी विदेशियों के मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट की लताड़ और भाजपाई दोगलापन जगजाहिर है। विकास के हर पैमाने पर राज्य पिछड़ गया है।

बंगाल की खाड़ी में 5.1 तीव्रता का भूकंप

» पश्चिम बंगाल में महसूस किए गए तीव्र झटके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। मंगलवार सुबह बंगाल की खाड़ी में 5.1 तीव्रता का भूकंप आया। इस भूकंप के झटके कोलकाता और पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में महसूस किए गए। भूकंप के झटकों से आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई, लेकिन किसी तरह के नुकसान या किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने बताया कि भूकंप सुबह 6:10 बजे आया। भारत मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि भूकंप ओडिशा के पुरी के पास दर्ज किया गया।

सुरंग हादसा : चौथे दिन श्रमिकों से 40 मीटर दूर बचाव अभियान

» जीएसआई व नजीआरआई के विशेषज्ञ बुलाए गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तेलंगाना के नगरकुरनूल जिले में शनिवार को श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) परियोजना की सुरंग का एक हिस्सा ढहने के बाद से वहां फंसे आठ श्रमिकों के बचने की संभावनाएं लगातार कम होती दिख रही है। हालांकि चौथे दिन बचाव दल श्रमिकों के करीब पहुंच गया है। लगातार बढ़ रहे जलस्तर और कीचड़ के चलते बचाव कार्य में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा रहा है।

आठ लोगों को बचाने के वास्ते आगे का रास्ता सुझाने के लिए भारतीय भूवैज्ञानिक

सर्वेक्षण (जीएसआई) व राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) के विशेषज्ञों की मदद ली है। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि आठ लोग चौथे दिन भी फंसे हुए हैं, इसलिए जीएसआई और एनजीआरआई के विशेषज्ञों को बचाव प्रयासों में शामिल किया गया है।

थरूर के एक्स पर दो पोस्ट, सियासी सवाल

» प्रियंका का सपोर्ट, गोयल के साथ भी आए नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शशि थरूर ने आज (25 फरवरी) सुबह-सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दो पोस्ट किए। पहले में उन्होंने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के साथ तस्वीर शेयर की और दूसरे में वह कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी की एक मांग का समर्थन करते नजर आए। शशि थरूर के इन दो सोशल मीडिया पोस्ट की चर्चा यहां इसलिए हो रही है क्योंकि पिछले दो हफ्तों से उनके बयानों ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा रखी है। दरअसल, पिछले दिनों उन्होंने पार्टी लाइन के इतर अपनी बात रखी।

वह खुद को नजरअंदाज किए जाने पर अपने तेवर दिखाते नजर आए थे, ऐसे में

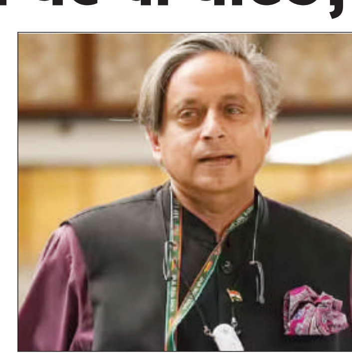

आज उनके यह दो पोस्ट थोड़ा कंफ्यूज करते दिख रहे हैं। शशि थरूर सुबह 8.47 पर अपने पहले पोस्ट में केंद्र सरकार के उस कदम की तारीफ करते दिखे, जिसमें ब्रिटेन के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) वार्ता फिर से शुरू की गई है. उन्होंने लिखा, ब्रिटेन के व्यापार एवं कारोबार मामलों के राज्य सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ उनके भारतीय समकक्ष वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की मौजूदगी में बातचीत करके अच्छा लगा। लंबे वक्त से रुकी हुई फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) वार्ता फिर से शुरू हो गई है, यह बहुत स्वागत योग्य बात है।

दूसरे पोस्ट में की प्रियंका गांधी की तारीफ

इसके ठीक 8 मिनट बाद शशि थरूर ने एक और पोस्ट किया. इस पोस्ट में उन्होंने अखबार की एक लिंक शेयर की, जिसमें प्रियंका गांधी वायनाड लैंडस्लाइड में पीड़ित परिवारों को दिए जा रहे लोन को अनुदान में बदलने और इसे खर्च करने की समय सीमा बढ़ाने की मांग कर रही हैं। शशि थरूर ने लिखा है, मैं प्रियंका गांधी की इस डिमांड का पुरजोर समर्थन करता हूं कि वायनाड लैंडस्लाइड से प्रभावित लोगों को राहत के तौर पर जो लोन दिया गया है उसे अनुदान में तब्दील किया जाना चाहिए और इसे खर्च करने की समय सीमा भी बढ़ाई जानी चाहिए।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।